

20/6/24

पञ्चाङ्गी सेवा हुई, तभी परी अनुपस्थित वकील
वारी को उपस्थित रख जायु, तभी सेवा करें
के स्थिति अवसर दिये जाय, अतिरिक्त अवसर की
दिये जायें हैं। बार बार आवार्जित तयारी कर
अपेक्षित सभी को। पञ्चाङ्गी अदम्य लक्ष्मी / अदम्य
चैतन्य में प्रहारित की जाती हैं, चैतन्य सुभा
लभ्य नैव से दम है।

सहायक फलक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी, भूपालसागर